

पाठ:-सूरदास के पद (सूर के पद)

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: जन्माष्टमी पूर्वज्ञान संबंधित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-15 अ/1 विषय वस्तु- सूरदास के पद उपविषय वस्तु :- अ) साहित्यिक परिचय आ) कृष्ण साहित्य का परिचय इ)गायन ई)नाम की सार्थकता उ)रोचकता की आवश्यकता ऊ)अभिव्यक्ति कला में निपुणता पाठ्येतर विषय वस्तु *भजन गायन *सूची निर्माण *अनुभव लेखन	विद्यार्थी :- अ) सूरदास का साहित्यिक योगदान एवं जीवन परिचय जान सकेंगे । आ)हिन्दी साहित्य में कृष्ण भक्ति धारा के कवियों के विशिष्ट योगदान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इ) सस्वर गायन कर सकेंगे । ई)नामों की सार्थकता को समझ सकेंगे । उ)जीवन को सरस बनाने के लिए रोचकता की आवश्यकता को समझ सकेंगे । ऊ)अभिव्यक्ति कला में निपुण	विद्यार्थी:- अ) सूरदास के साहित्यिक योगदान से परिचित हो उनके जीवन एवं साहित्य का परिचय लिख सकेंगे आ) सूरदास के समय के अन्य भक्ति कालीन कवियों के नामों की सूची बना सकेंगे । इ) कृष्ण भक्ति से ओत-प्रोत भजन का सस्वर गायन कर सकेंगे । ई)कृष्ण के विभिन्न नामों के पीछे छिपे कारणों को लिख सकेंगे । उ)जीवन को सरस बनाने के लिए रोचकता की आवश्यकता को समझते हुए कृष्ण की मनपसंद वस्तुओं के नाम लिख सकेंगे । ऊ) अभिव्यक्ति कला में निपुण हो गतिविधि संबंधित अपने अनुभव लिख सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबंधित प्रश्न

क्रियाविधि:- कृष्ण के भिन्न-भिन्न नामों की सार्थकता की प्रस्तुति ।

कक्षा - आठ

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-15अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-15अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित यति गति लय के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए कविता पाठ करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश की व्याख्या का प्रयास करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में कविता के भाव को आत्मसात् कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-15अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-15अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्ट संख्या :-15आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-15आ/2 उचित यति गति लय के साथ कविता के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे । पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे । गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-15आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे । परिशिष्ट संख्या : 15आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन - पाठन विधि, २. उदाहरण विधि, ३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि
५. व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :-, सामाजिक ज्ञान, भाषा ज्ञान, आत्मिक ज्ञान ।

विद्यालय परिसर :- प्रार्थना सभा में जाकर कृष्ण भजन का गायन करेंगे ।

1.पूर्व ज्ञान से संबंधित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -15अ/1

प्रश्न.1- 'जन्माष्टमी' पर्व क्यों मनाया जाता है?

उत्तर-1- इस दिन श्री कृष्ण का जन्म हुआ था।

प्रश्न.2- बाल कृष्ण की कैसी प्रवृत्ति थी?

उत्तर-2- चंचल , शैतान

प्रश्न.3- बाल कृष्ण के और भी कोई गुण?

उत्तर-3- नहीं पता ।

कथन:- आइये "सूरदास के पद" पाठ को पढ़ कर जानते हैं बाल कृष्ण के अन्य गुणों के विषय में।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -15अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक A 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी ।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती है ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -15अ/3

- अध्यापिका द्वारा विद्यार्थियों को 'सूर के पद' पाठ से कृष्ण का कोई भी एक नाम चुनने और उस नाम के पीछे कौन सी कथा है? उससे संबंधित सभी जानकारीयाँ प्राप्त करने के लिए कहा जाएगा ।
- विद्यार्थी ए. 4 साइज़ के आधे कागज़ पर सचित्र उस कथा और जानकारीयों को प्रस्तुत करेंगे ।
- कक्षा में सभी कथाओं और जानकारीयों को पढ़कर सुनाने के बाद, सभी कागज़ों को एकत्रित कर कृष्ण नामावली तैयार करेंगे ।
- अंत में एकत्रित कर कृष्ण नामावली अध्यापिका को देंगे ।
- गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों को कार्यपत्र करने के लिए दिया जाएगा ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -15अ/4

पाठ : सूरदास के पद

विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : कृष्ण नामावली

अनुक्रमांक :

गतिविधि करते हुए मेरा अनुभव :

श्री कृष्ण की मनपसंद वस्तुओं के नाम :

